तापमान
अधिकतम 45 .9 डिग्री
न्यूनतम 30 .0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 17 जून 2024

11 सतकुंभा धाम में लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

12 महर्षि वाल्मीकि ने समाज को दिखाई नई राह : वाल्मीकि

खबर संक्षेप

भंडेरी के खेतों में युवक का शव मिलने से हड़कंप

गोहाना। महम-गोहाना मार्ग स्थित गांव भंडेरी में रोड के साथ खेत में एक युवक का शव मिला। जंगली जानवरों ने घुटने तक पैर को खा रखा था। बरोदा थाना की पुलिस और एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लिया। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव को बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल में रखवाया गया।गांव के चौकीदार ने बरोदा थाना में सूचना दी कि गांव में पेट्रोल पंप के पास खेत में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची। युवक का शव रोड से लगभग 10 मीटर दूर खेत में पड़ा था। मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष है। एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया। उप निरीक्षक जगबीर सिंह ने बताया कि मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

योग दिवस को लेकर गांवों में निकली रैली

गोहाना। हरियाणा योग आयोग और आयुष विभाग के तत्वावधान में रविवार को गांव कासंडा, कासंडी व ककाना में योग जागरूकता यात्रा निकाली गई। योग प्रशिक्षकों और सहायकों ने ग्रामीणों को योग करने के लिए जागरूक किया। इसके साथ में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। आयुष विभाग के योग के जिला समन्वयक डा. विनोद ने कहा कि नियमित योग करने से हम बीमारियों से बचे रहते हैं। योग करने से शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूती मिलती है। प्रशिक्षक अमरजीत, प्रमिला मलिक व दिनेश कुमार ने कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी में योग जरूरी है।

सिसाना के खेतों से ट्यूबवेल की मोटर चोरी

खरखौदा। सिसाना के खेतों से एक किसान की ट्यूबवेल की मोटर चोरी हो गई है। खेत पर पहुंचने पर किसान को मोटर चोरी का पता चला। जिसके बाद उसने मामले की शिकायत पुलिस को दी है, जिस पर मामला दर्ज कर लिया गया है। किसान दिलावर का कहना है कि उसने अपने खेत में दो हॉर्स पावर की टू फेज की मोटर रखी थी,जो चोरी हो गई है।

युवक पर हमला करने का आरोपी काबू

सोनीपत। गोहाना रोड स्थित गली में युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित गांव कथूरा निवासी प्रदीप है। एक दिन पहले ही पुलिस ने मामले में पांच हजार रुपये के इनामी आरोपित दिल्ली के टिकरी गांव निवासी अक्षय को गिरफ्तार किया था। मामले को लेकर गांव रेवली निवासी इंद्रजीत ने 23 सितंबर, 2023 को पुलिस को बताया था कि उन्हें सूचना मिली थी कि उनके साले मंदीप गोहाना रोड पर एक गली में घायल अवस्था में पड़े है। वह मौके पर पहुंचे तो मंदीप ने बताया था कि सलारपुर माजरा के गोविंद, गोविंद के ममेरे भाई विजय, कथूरा के रामकरण, उसके दोस्त पंडित और दिल्ली के टिकरी कलां गांव के अक्षय ने उसे चोट मारी है। पुलिस ने अब प्रदीप को गिरफ्तार किया है।

नाबालिग से छेड़छाड़ करने का आरोपित काबू

सोनीपत। बहालगढ़ थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित वीरपाल को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बहालगढ़ थाना क्षेत्र की लड़की ने 28 मई को पुलिस को बताया था कि वह किराए के मकान में अकेली थी। तभी वीरपाल ने उसके साथ छेड़छाड़ की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। अब जांच अधिकारी शंकुतला ने आरोपित वीरपाल को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया।

प्रचंड गर्मी ने पस्त किया, 18 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से चली गर्म हवाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

भयंकर गर्मी के बीच अब तेज गर्म हवा भी लोगों को परेशान कर रही है। रविवार को तो सुबह 10 बजे से ही तेज गर्म हवा के थपेड़ों ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया था। तेज गर्म हवाओं का ही फर्क था कि जिले के अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

■ राजस्थान से आ रही हवाएं, वातावरण से नमी बिल्कुल खत्म

गर्मी के चलते ही मौसम विभाग ने भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रचंड गर्मी की वजह से एसी-कूलर भी जवाब दे गए हैं। एसी के कम्परेसर नहीं चल रहे, वहीं कूलर भी मौसम को अनुकूल करने में नाकामयाब हो रहे हैं। इसी बीच रविवार को शहर में जगह-जगह ठंडे और मीठे पानी की छबील लगाई गई, जहां पर लोगों को राहत देने का काम किया गया।

बता दें कि इस समय दिल्ली-एनसीआर में गर्म हवाएं चल रही हैं, जोकि राजस्थान की तरफ से आ रही हैं। इन गर्म हवाओं की वजह से वातावरण में नमी बिल्कुल ही खत्म हो गई है। नमी ना होने के कारण वातावरण और गर्म हो रहा है। अधिकतम तापमान के साथ-साथ न्यूनतम तापमान भी बढ़ रहा है। सुबह शुरू होते ही सूर्य की तेज किरणों की वजह से पूरा दिन गर्म रहा। रविवार को तो सुबह 10 बजे से ही तेज गर्म हवाएं चलनी शुरू हो गई थी। गर्म हवा के थपेड़े लोगों को परेशान करने लगे थे। दिनभर करीब 18 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से हवा चलती रही। जिले का अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एक दिन पहले भी अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने के चलते रात को भी गर्म हवा परेशान करती हैं।

फसलों पर मंडरा रहा संकट

भयंकर गर्मी के चलते फसलों पर संकट बना हुआ है। जिसकी वजह से किसान परेशानियों में घिरा हुआ है। ज्वार जैसी हरे चारे की फसल तो बिल्कुल ही सूखने की कगार पर है। जबकि दूसरी ओर 90 हजार हैक्टेयर भूमि में धान उगाने वाले जिले के किसान फिलहाल धान की रोपाई को लेकर तैयार नहीं है। हालांकि कृषि विभाग द्वारा धान रोपने से पाबंदी हटा ली गई है। इसके बावजूद किसान गर्मी को देखते हुए अभी धान की रोपाई करने के मूड में नहीं हैं। हालांकि बारिश के साथ ही धान की रोपाई का काम शुरू हो जाएगा।

जिले में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार अभी दो दिन और गर्म तेज हवाओं की वजह से जिले का तापमान बढ़ सकता है। ऐसे में दो दिनों के लिये सावधनी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। गंभीरता की श्रेणी में रेड अलर्ट के बाद ऑरेंज अलर्ट का नंबर आता है। मौसम विभाग की चेतावनी है कि दिन के समय जरूरत ना हो तो सीधे धूप में ना निकलें।

18 से राहत की उम्मीद

मौसम विशेषज्ञों की मानें तो आने वाले दो दिन और मौसम में इसी तरह का रूखापन जारी रहेगा। 17 जून की शाम को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के संकेत मिले हैं। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के बाद 18 जून से लेकर 22 जून तक बारिश के आसान बने हुए हैं। बारिश के चलते बढ़ते तापमान में कमी आएगी और बढ़ती गर्मी से भी राहत मिलेगी। हालांकि मानसून के जुलाई के पहले सप्ताह में आने के आसार हैं। ऐसे में 22 जून से लेकर मानसून आने तक का समय उमस भरा और भयंकर गर्मी वाला हो सकता है।

नमी न होने के कारण गर्मी ज्यादा

तेज गर्म हवाएं चल रही हैं, जिसके कारण वातावरण से नमी खत्म हो गई है। नमी ना होने के कारण गर्मी और अधिक महसूस हो रही है। अधिकतम तापमान में हलकी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि न्यूनतम तापमान भी अपने उच्च स्तर पर बना हुआ है। 18 के बाद प्री मानसून की बारिश से मौसम में बदलाव होगा और गर्मी से कुछ राहत मिलेगी।

डा. प्रेमदीप, मौसम वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, जगदीशपुर

दृष्टिबाधित को डिजिटल ब्लाइंड स्टिक वितरित

सोनीपत। डिजिटल स्टिक वितरित करते क्लब के पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

रोटरी क्लब सोनीपत मिडटाउन ने जांटी गांव में दृष्टिबाधित छात्रों को डिजिटल ब्लाइंड स्टिक निःशुल्क वितरित की। क्लब प्रेसिडेंट रवीन्द्र भारद्वाज ने बताया कि क्लब की ओर से 35 विधार्थियों को ये डिजिटल स्टिक दी।

इस स्टिक की विशेषता है कि आने वाली रुकावट या किसी प्रकार की बाधा से वाइब्रेशन होता है जिससे उपयोगकर्ता को मदद मिल सकती है। दृष्टिबाधित छात्र जिनको पढ़ाई के लिए बाहर जाना पड़ता है उनको एक आम स्टिक से कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

इस समस्या के समाधान में मदद करने के लिए रोटरी क्लब सोनीपत मिडटाउन ने ये पहल की। इस अवसर पर क्लब की ओर से क्लब ट्रेनर संदीप जेटली, राजीव तनेजा, मुख्तियार सिंह, शमशेर सिंह, भूपेश खन्ना, पूजा भारद्वाज, अंकिता खन्ना, अंजू तनेजा उपस्थित रहे।

संत कबीर साहेब की जयंती 23 को

सोनीपत। संत कबीर दास समाज उत्थान सेवा समिति कबीरपुर के द्वारा 23 को गांव कबीरपुर मे संत कबीर साहेब की 626वीं जयंती मनाने की तैयारी के लिए आम सभा की बैठक का आयोजन धानक चौपाल में किया गया। जिसकी अध्यक्षता समिति के प्रधान शामलाल दीवान ने की। सर्वप्रथम सभी का महासचिव सूरज कुमार के द्वारा स्वागत किया गया। महासचिव सूरज कुमार ने बैठक एजेंडानुसार सभी सदस्यों को बताया की आने वाली 23 जून, रविवार को कबीरपुर में रघुकुल स्कूल के पास विश्व शिरोमणि संत कबीर साहेब जी के प्रकट दिवस पर भजन कीर्तन, शोभा यात्रा, सम्मान समारोह, एवं विशाल भंडारे का आयोजन समिति के द्वारा धूमधाम से किया जा रहा है। सभी सदस्यों को योग्यतानुसार ड्यूटी दी गई।

समाज कल्याण संगठन ने आंवले नीम और कदम्ब के 24 पौधे रोपे

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

समाज कल्याण संगठन ने रविवार को अपने साप्ताहिक पौधारोपण अभियान में पुराने बस स्टैंड के चौ. देवीलाल चौक तथा रोहतक गेट के सामने स्थित पंजाबी कॉलोनी में 24 नए पौधे रोपे।

वाटर टैंकर से पानी दिया

समाज कल्याण संगठन ने गोहाना शहर को ग्रीन सिटी बनाने के लिए गोद ले रखा है। यह संगठन प्रत्येक रविवार को सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण करता है तो वहीं पहले से लगे हुए पुराने पौधों की नियमित रूप से देखभाल करता है। इस रविवार को पौधारोपण चौ. देवीलाल चौक और पंजाबी कॉलोनी में किया गया। पौधारोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की तथा श्रमदान मोनू चौहान, अजीत सिंह, अभिमन्यु, मनोज कुमार, जगदीश चंद्र, प्रवीण कुमार, सुनील कुमार, पवन कुमार, बलजीत जांगड़ा और सुभाष ने की। समाज कल्याण संगठन ने दोनों स्थानों पर आंवला, नीम और कदम्ब के 24 नए पौधे लगाए। वाहनों और पशुओं द्वारा क्षतिग्रस्त मिले दो पौधों को भी बदल दिया गया। पुराने पौधों को वाटर टैंकर से पानी देते हुए उनकी नुलाई और गुड़ाई भी की गई।

113 बार रक्तदान कर चुके नरेंद्र भूटानी शान-ए-सोनीपत के खिताब से नवाजे गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

कोराना काल में शहरवासियों की सेवा कर कायम की मिसाल

सोनीपत। नरेंद्र भूटानी को सम्मानित करते विधायक, भाजपा नेता एवं पदाधिकारीगण।

सोनीपत की सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के समूह सोनीपत समाज पंचायत द्वारा सोनीपत के समाज सेवी नरेंद्र भूटानी को एक सम्मान समारोह आयोजित कर शान ए सोनीपत के खिताब से नवाजा। नरेंद्र भूटानी के द्वारा आज एक पौधा लगाया गया और सोनीपत समाज पंचायत के सदस्य सतीश बाल्याण द्वारा नरेंद्र भूटानी के वजन के बराबर कॉपी दान दी गई जिनको जरूरतमंद बच्चों को दिया जायेगा। इस सम्मान समारोह में विधायक सुरेंद्र पवार, मेयर निखिल मदान, भाजपा नेता राजीव जैन, ललित बत्रा, पंचायत के संयोजक संजय सिंगला, सह-संयोजक अशोक खत्री, जन सेवा जाग्रति मंच के प्रधान सरदार मोहन सिंह मनोचा, सेफ इंडिया फाउंडेशन से वाईके त्यागी, प्रवीण वर्मा, सतीश माथुर, दिनेश कुच्छल, एडवोकेट अरविन्द मित्तल,मनीष बंसल, मार्केटिंग बोर्ड के पूर्व वाईस चेयरमैन संजय वर्मा, सोनीपत नगर सुधार मंच के महासचिव रविंद्र सरोहा, जिला व्यापार मंडल के पवन तनेजा, पूर्व आईपीएस सुमन मंजरी, पूर्व चेयरमैन पूर्णमल गौड़, मानव अधिकार संघ के जयबीर गहलावत, पूर्व परिषद चेयरमैन अशोक छाबड़ा, सतीश बाल्याण, सुरेश कालरा, डॉ. अखिल सक्सेना, खाटू श्याम मंदिर के प्रधान राकेश मित्तल, हवा सिंह आंतील, सब इंस्पेक्टर जगत सिंह, ट्री मैन देवेंद्र सूरा, दृष्टि समिति से देवेंद्र जैन आदि मौजूद रहे। मंच संचालन सुभाष सिसोदिया ने किया।

राज्यपाल कर चुके सम्मानित

समाज पंचायत के संयोजक संजय सिंगला व सह संयोजक अशोक खत्री ने बताया कि समाज सेवियों की एक बैठक में सभी ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया। बता दें कि नरेंद्र भूटानी 113 बार के रक्तदाता, शतकवीर रक्तदाता के तौर पर राज्यपाल हरियाणा द्वारा सम्मानित, टैलेंट ऑफ इंडिया सम्मान व इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड से सम्मानित, सोनीपत में दृष्टि सेवा समिति के माध्यम से 2500 से ज्यादा नेत्रदान, लगभग 12 देहदान करवाना, कोरोना मे अभूतपूर्व सेवा जैसे बुजुर्गों को घर जाकर वैक्सीन लगाना, खाना बांटना व कोरोना पीड़ितों का अंतिम दाह संस्कार शामिल, सेफ इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से लावारिस अस्थियां को हरिद्वार मे विसर्जन, मेडिकल कैम्प, रक्तदान शिविर आदि में सेवा करना जैसे अनेक समाजहित कार्य किए।

गंगा दशहरा पर यमुना के गढ़ मिरकपुर घाट पर पशुओं के अवशेष मिलने से सनसनी, पुलिस ने केस दर्ज किया

पशुओं के कान में उत्तर प्रदेश का टैग मिला, श्रद्धालुओं में रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गंगा दशहरा के दिन यमुना के गढ़ मिरकपुर घाट पर पशुओं के अवशेष मिले हैं। मामले का पता लगते ही गोरक्षा दल के सदस्यों ने पुलिस को अवगत कराया। उनका आरोप था कि दो पशुओं को मारने के बाद उनका मीट निकाल लिया गया और अवशेष यमुना के निकट बोरे में बांधकर फेंक दिए। पशुओं के अवशेष में मिले कान पर यूपी का टैग मिला है। बहालगढ़ थाना पुलिस ने अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सैंपल जांच के लिए भेजे

गांव राई निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि वह रविवार सुबह आठ बजे यमुना के गढ़मिरकपुर घाट पर गंगा दशहरा का स्नान करने गए थे। गंगा दशहरा होने की वजह से घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी थी। इसी दौरान जानकारी मिली कि यमुना नदी के किनारे व अंदर पशुओं के अवशेष पड़े हुए हैं। उसने मौके पर जाकर देखा तो दो पशुओं के खुर (घुटनों से नीचे का हिस्सा), खाल, जीभ, सिर पड़ा हुआ था। पशुओं के कान पर लगा टैग उत्तर-प्रदेश का था।

सोनीपत। सूचना मिलने पर जांच करने पहुंची पुलिस की टीम व गोभक्त।

तस्करी का आरोप

उन्होंने आशंका जताई कि तस्करों ने पशुओं को मारकर उनका मीट यूपी ले जाते हैं। मनीष राई की सूचना पर बहालगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दो बोरों से अवशेष बरामद कर लिए। उनके सैंपल लेकर जांच को भेजे गए है।

पुलिस ने मामले में 13 (1) हरियाणा गोवंश संरक्षण एवं गोवर्धन अधिनियम 2015 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने पशु चिकित्सक से पशुओं का पोस्टमार्टम कराया है। गोरक्षा दल के सदस्यों का कहना है कि गंगा दशहरा पर यमुना में हजारों श्रद्धालु स्नान व पूजा अर्चना करने आते हैं।

ऐसे में यमुना किनारे पशुओं फेंकने के पीछे किसी शरारती तत्व का धार्मिक भावना भड़काने का प्रयास हो सकता है। अन्य गोसेवकों व श्रद्धालुओं ने भी इसे निंदनीय घटना बताया।

एक दिन पहले कार में मिला था मांस

गोरक्षा दल के सदस्यों ने बताया कि एक दिन पहले भैरा बांकीपुर गांव से आगे भी कार में पशुओं का मीट मिला था। नवीन शर्मा, राहुल चौहान, केडी चौहान, रोहित चौहान, धन सिंह चौहान ने आरोप लगाया था कि कार में पशुओं का मीट था। कार यमुना नदी के रेत में फंस गई थी। तब उत्तर प्रदेश की पुलिस ने कार्रवाई की थी।

यमुना के गढ़ मिरकपुर घाट पर पशुओं के अवशेष मिले हैं। मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कर ठोस कार्रवाई की जाएगी।

इंस्पेक्टर राजीव कुमार, थाना प्रभारी बहालगढ़

महिला की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या मामले में देवर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गांव बिधलान में जमीन को लेकर चल रहे विवाद में महिला की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या करने के मामले में खरखौदा थाना पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित मृतक महिला का देवर सुशील है। उसे न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बिधलान निवासी सुनील ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उनका जमीन को लेकर परिवार के साथ विवाद चला आ रहा है। इसे लेकर उनके चाचा के परिवार ने झगड़ा किया था और मारपीट कर उनकी मां कमला का सिर भी फोड़ दिया था। शुक्रवार को उनके बड़े भाई रवि खेत में सिंचाई करने गए थे। जहां उनके चाचा सुशील, चाची बबली व चचेरे भाई मोहित ने पहुंचकर रवि के साथ झगड़ा किया था। जानकारी मिलने पर वह अपनी मां कमला, पत्नी रेखा व भाभी इंदू के साथ खेत में भाई के पास जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उन्हें चचेरा भाई मोहित ट्रैक्टर लेकर आता दिखाई दिया, जिसके पीछे चाचा और चाची भी आ रहे थे। चाचा ने मोहित को आवाज देकर कहा कि इन्हें जिंदा मत छोड़ना। जिस पर मोहित उन पर ट्रैक्टर चढ़ाने लगा। वह, उसकी पत्नी व भाभी एक तरफ कूद गए थे। मोहित ने ट्रैक्टर से उनकी मां को टक्कर मार दी और ट्रैक्टर के नीचे कुचल कर बुरी तरह से घायल कर दिया था। जिसके बाद आरोपित उन्हें धमकी देकर भाग गए थे। पीजीआई, रोहतक में उनकी मां कमला को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर संजय ने आरोपित सुशील को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मैं बग़ावत चाहता हूं। हर उस फ़र्द (व्यक्ति) के ख़िलाफ बग़ावत चाहता हूं जो हमसे मेहनत कराता है, मगर उस के दाम अदा नहीं करता।

-सआदत हसन मंटो

आप बस इतना करें कि इस लॉकडाउन के बाद मुझे तलाक दिला दें।' इतना कह कृति ने फोन काट दिया और किचन की ओर मुड़ गई। उसके गले में हल्का दर्द था और सिर भारी हो रहा था. एक कप चाय बनाने के लिए जैसे ही उसने किचन के दरवाजे पर कदम रखा। वैभव को अंदर देख कृति के सिर पर गुस्से का बादल जैसे फट पड़ा। पैर पटकते वापस बेडरूम में आकर लेट गई।

कहानी | दिव्या शर्मा

शक का संक्रमण

मैं नहीं रह सकती अब एक भी दिन इस घर में। मुझे बस तलाक चाहिए। कृति के मुँह से निकले झल्लाते शब्दों को सुन वकील ने मौन साध लिया। जवाब न सुन कृति के गुस्से में जैसे मिर्च छिड़क गई।

'आप बोल क्यों नहीं रहे वकील साहब! देखिए मुझे नहीं पता कि कोरोना की क्या गाइडलाइंस हैं। आपने कहा था कि एक महीना पूरा होते ही मेरी अर्जी पर कोर्ट फैसला दे देगा!' कृति के चेहरे पर परेशानी उभर आई।

'देखिए कृति जी। कोर्ट बंद हैं और अभी खुलने के आसार भी नहीं तो केस की सुनवाई तो अभी नहीं हो सकती और मैं जज नहीं जो डिसिजन देकर आपके तलाक को मंजूर कर दूँ।' वकील ने समझाते हुए कहा।

'पर मैं यहाँ से जाना चाहती हूँ। एक महीने के चक्कर में फंस गई हूँ मैं..मुझसे उस आदमी की शक्ल नहीं देखी जा रही जिसने मुझे धोखा दिया। मैं नहीं रह सकती वैभव के साथ।' कृति के शब्दों की झुंझलाहट और मन में छिपे दर्द को वकील ने साफ महसूस किया.दो पल को खामोशी इख्तियार कर वह फिर बोला,

'आप अपनी माँ के घर चली जाएं।'

'अरे नहीं जा सकती। इस इलाके को कोरोना जोन घोषित कर दिया है। यहाँ से निकली तो चालीस दिन के क्वारनटिन कर दी जाऊंगी।' कृति ने हांफते हुए कहा।

'तो बताओ मैं क्या कर सकता हूँ?' वकील ने कहा.

'आप बस इतना करें कि इस लॉकडाउन के बाद मुझे तलाक दिला दें।' इतना कह कृति ने फोन काट दिया और किचन की ओर मुड़ गई। उसके गले में हल्का दर्द था और सिर भारी हो रहा था. एक कप चाय बनाने के लिए जैसे ही उसने किचन के दरवाजे पर कदम रखा।

वैभव को अंदर देख कृति के सिर पर गुस्से का बादल जैसे फट पड़ा। पैर पटकते वापस बेडरूम में आकर लेट गई।

छत पर घूमते पंखे के साथ पिछली यादें घूमकर उसकी आँखों के सामने तैरने लगी।

दीया बाती के नाम से मशहूर वैभव और कृति अपने कॉलेज की सबसे हॉट जोड़ी थी।

दोनों के बीच की कैमिस्ट्री को देखकर न जाने कितने दिल जल कर खाक हुए जाते थे. कृति की अदाएं और वैभव की दीवानगी जैसे रोमियो जूलियट. कृति के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए वैभव रोज नये ट्रिक्स करता। दोनों की दीवानगी कोई वक्ती न थी। अपने करियर के मुकाम पर पहुंच वैभव और कृति परिवार की रजामंदी से विवाह के बंधन में बंध गए।

सब कुछ बेहद खूबसूरत चल रहा था लेकिन वह एक शाम दोनों की जिन्दगी में बिजली बनकर कौंध गई। प्रेम की मजबूत दीवार पर शक के हथौड़े का वार गहरा पड़ा.वैभव ने लाख सफाई दी कि उसका मेघना के साथ सिर्फ मित्रता का संबंध है लेकिन शक की आग में चली कृति कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थी। पंद्रह दिन बाद दोनों की शादी को दो साल पूरे हो जायेंगे लेकिन कृति उससे पहले ही वैभव से तलाक चाहती थी। कोर्ट ने एक बार दोबारा विचार करने के लिए दोनों को कुछ समय साथ रहने का फैसला सुनाया था। वैभव के लाख प्रयासों के बाद भी कृति का मन नहीं बदला बल्कि वैभव की हर कोशिश उसे सफाई नजर आती। नफरत और गुस्से से वह वैभव को शब्दबाणों से घायल करती रहती। वैभव का सयंम अभी टूटा नहीं था इसलिए उसने अपने आस पास मौन ओढ़ लिया। केस की अगली सुनवाई तक दोनों को साथ ही रहना था इसलिए मजबूरन कृति वैभव को बर्दाश्त कर रही थी। समय चल रहा था लेकिन अचानक आए कॉरोना के वायरस ने जिन्दगी की रफ्तार को जैसे थाम दिया। लॉकडाउन लग चुका था। चारों ओर डर और अफरातफरी का माहौल था। कृति अपने मायके जाना चाहती थी लेकिन उनकी सोसायटी सील कर दी गई थी क्योंकि इस बिल्डिंग में कोरोना के पॉजिटिव केस लगातार बढ़ रहे थे। मन मारकर एक ही छत के नीचे रहती कृति अंदर अंदर घुल रही थी। कृति अपने ख्यालों में खोई कमरे में चहलकदमी कर रही थी कि एंबुलेंस की तेज आवाज़ से उसका ध्यान भटका। वह भागकर बॉलकनी की ओर भागी। सामने वाली बिल्डिंग के नीचे एंबुलेंस खड़ी थी। उसके आस पास पीपीई किट पहने चार लोग खड़े थे। कृति ने ध्यान दिया तो उसे सामने वाली बिल्डिंग के चार नंबर फ्लैट की बॉलकनी में सुधा आंटी रोती नजर आई । एंबुलेंस के अंदर एक बॉडी को डाला जा रहा था। थोड़ी देर में एंबुलेंस साइरन बजाते निकल गई। सुधा आंटी के रोने की आवाज़ अब साफ नजर आ रही थी।

एंबुलेंस में उनके एकलौते बेटे रजत को ले जाया गया था।

'रजत नहीं रहा।' बगल की बॉलकनी में मुँह लपेटे पारूल खड़ी थी। उसकी बात सुनकर कृति का दिल धक से रह गया।

₹क्या बोल रही हो पारूल! यार एक ही बेटा था आंटी का। कोई नहीं है उनके पास तो.कैसे बर्दाश्त करेंगी वे यह दुख!' कृति तड़प कर बोली।

'कॉरोना जाने कितनों को अपने साथ ले जायेगा. तुमने मॉस्क नहीं पहना और तुम बाहर खड़ी हो! इतनी लापरवाही ठीक नहीं कृति।' इतना कहकर पारूल अंदर चली गयी और दरवाजा बंद कर दिया।

घबराई कृति कमरे के अंदर आकर अपने चेहरे और हाथों को साबुन से रगड़ने लगती है। सुधा आंटी का विलाप चारों तरफ फैले सन्नाटे में डर पैदा कर रहा था। कृति अपने कमरे को सेनिटाइज कर बिस्तर पर लेट गई। सिर में दर्द और गले की खराश मन में भय की तरंगें बनाने लगी। नाक से बहता पानी मस्तिष्क को बार बार झिंझोड़ रहा था. लेकिन आंटी और रजत के बारे में सोचते सोचते उसे गहरी नींद आ गई।

कृति को कमरे से बाहर न निकलते देख वैभव को चिंता हो रही थी। कृति कभी इतनी देर नहीं सोती। रात के आठ बज रहे थे और कृति चार बजे से कमरे के अंदर थी। रजत के जाने का दुख वैभव को अंदर तक हिला गया उस पर कृति का कमरे में बंद होना वैभव के मन में हजार आशंकाओं को जन्म दे रहा था। घड़ी की सूंई बढ़ती जा रही थी। नौ बज चुके थे. अब वैभव उसके कमरे के दरवाजे के बाहर जाकर खड़ा हो गया।

कृति को अपना शरीर बिल्कुल निष्क्रिय लग रहा था वह उठ नहीं पा रही थी। कोरोना उसके शरीर को जकड़ चुका था, लेकिन वैभव उसके करीब खड़ा था। यह देख कृति वैभव को दूर जाने के लिए कहती है, 'तुम दूर रहो वैभव, मुझे कोरोना तुम भी बीमार हो जा।'इतना कहकर कृति खाँसने लगती है। उसे सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई। तुम शांत रहो। मुझे कुछ नहीं होगा। मैंने मॉस्क और ग्लब्स पहने हैं ध्यान से देखो और तुम्हें बस वायरल बुखार है कोरोना नहीं. घबराओ नहीं. मैं चाय लाता हूँ।' इतना कहकर वैभव रसोई में चला गया. थोड़ी देर में चाय और स्टीमर उसके साथ था। कृति को चाय देके वैभव ने स्टीमर का प्लग लगाया और उसे गर्म करने लगा।

'कृति, तुम ठीक हो न! कृति...कृति!' दरवाजे को थपथपा कर वह बोला। लेकिन कृति की कोई आवाज़ नहीं आई। वैभव ने दरवाजे को हल्के से धकेला तो कृति को बिस्तर पर बेसुध पाया. वह उसके करीब जाकर उसके माथे को छुता है। माथा भट्टी की तरह तप रहा था।

'कृति...कृति...उठो..आँखें खोलो!' वैभव उसे झिंझोड़ कर बोला। कृति अपनी आँखें खोलने की कोशिश करती है लेकिन खोल नहीं पाती।

वैभव तुरंत अपना मॉस्क चेहरे पर लगाता है और ठंडे पानी का कटोरा लेकर उसके सिरहाने बैठ जाता है। ठंडे पानी की पट्टियां सिर पर रख उसकी हथेलियां रगड़ने लगता है। कृति को कुछ होश आया। आँखें खोली तो वैभव सामने था. कृति की आँखें लाल थी। वैभव उसे होश में देख तुरंत पैरासिटामोल ले आया और सहारा देकर दवा उसके मुँह में डाल दी।

कृति को अपना शरीर बिल्कुल निष्क्रिय लग रहा था वह उठ नहीं पा रही थी। कोरोना उसके शरीर को जकड़ चुका था, लेकिन वैभव उसके करीब खड़ा था। यह देख कृति वैभव को दूर जाने के लिए कहती है, 'तुम दूर रहो वैभव, मुझे कोरोना तुम भी बीमार हो जा।'इतना कहकर कृति खाँसने लगती है। उसे सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई। तुम शांत रहो। मुझे कुछ नहीं होगा। मैंने मॉस्क और ग्लब्स पहने हैं ध्यान से देखो और तुम्हें बस वायरल बुखार है कोरोना नहीं. घबराओ नहीं. मैं चाय लाता हूँ।' इतना कहकर वैभव रसोई में चला गया. थोड़ी देर में चाय और स्टीमर उसके साथ था। कृति को चाय देके वैभव ने स्टीमर का प्लग लगाया और उसे गर्म करने लगा।

(शेष अगले अंक में)

गजल | चरणजीत चरण

तुमने अच्छा ही किया ली न ख़बर, वैसे भी
लौट के कोई न आया है इधर, वैसे भी

तुम गई हो तो पलटकर के सुकूँ आया है
दिल को रहता था बिछड़ जाने का डर, वैसे भी

हम कई रोज रहे साथ चलो अच्छा है
कितना चलता है मुहब्बत का सफ़र, वैसे भी

हाथ इकतारे पे रखते ही हुआ तार जुदा
मुझको आता ही नहीं था ये हुनर, वैसे भी

हमसफर बन न सके तुम तो कोई बात नहीं
थोड़ी मुश्किल थी मेरी राह-गुज़र वैसे भी

गजल | दिनेश शर्मा दिनेश

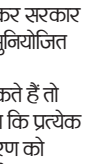

दुनिया में आते हैं और जाते हैं लोग
कब अपना किरदार निभा पाते हैं लोग

वह साथी है सबका उसका किससे बैर
अपनी ही करनी का फल पाते हैं लोग

सबकी अपनी ढपली सबका अपना राग
केवल अपने लाभ की बतियाते हैं लोग

हर कोई इक जैसा कैसे हो सकता है
इक चक्की का आटा कब खाते हैं लोग

ऐहतियात रखा कर जेहन में तू खास
गिरगिट से ज्यादा रंग दिखलाते हैं लोग

लघुकथा | अशोक कुमार ढोरिया

दायित्व

ओ ₹ओह ! ये गर्मी।₹ ₹यार आज तो तापमान 54° है, जीना बेहाल कर रखा है।₹ ₹हाँ भाई, गर्मी ने पिछले 22 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।₹ ₹भाई एक बात बताओ, क्या सरकार का कोई कर्त्तव्य नहीं बनता कि पर्यावरण संरक्षण के बारे में कोई ठोस कदम उठाए।₹ पास ही बैठे बूढ़े दादा ने दोनों की बात सुनकर कहा - ₹बेटा, जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति अपना वोट डालकर सरकार बनाता है ताकि देश का शासन सुनियोजित ढंग से चल सके।

जब हम अपनी सरकार चुन सकते हैं तो क्या हमारा ये दायित्व नहीं बनता कि प्रत्येक व्यक्ति एक पेड़ लगाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाकर जलवायु को जीने लायक बना सके ?

पर्यारण गीत | नरेश शांडिल्य

प्रबुद्ध करें हम

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम ।

जल न रहा तो कल क्या होगा?
उजड़ रहे जंगल ; क्या होगा?
साँसों का संबल क्या होगा?
इन प्रश्नों का हल क्या होगा?
जूझ स्वयं से युद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम।

गुरुवाणी में सदियों पहले,
नानक जी ने भी फरमाया;
पवन पिता , धरती को माता,
पानी को गुरुरूप बताया;
क्यों फिर धर्म विरुद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम।

सदियों से पूजित हैं नदियाँ,
हिमगिरि उन्नत शिखर चोटियाँ,
हरा-भरा वसुधा का आँचल,
करें न इन सबका मन घायल,
कभी न इनको क्रुद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम ।

निर्मल हो नदियों की कल-कल,
खिलें-बढ़ें गिरि-वन नित पल-पल,
हो स्वच्छंद खग-मृग की हलचल,
खिला रहे यूँ जीवन-शतदल,
पथ न सृष्टि का रुद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम।।

फिर 'दधीचि' हड्डियाँ गलाएँ,
पुनः 'भगीरथ' भू पर आएँ,
फिर 'अगस्त्य' संकल्प उठाएँ,
'अँगुलिमाल-मन' को समझाएँ,
मानव-मन को बुद्ध करें हम...

जल-थल-नभ सब शुद्ध करें हम,
जन-मन पुनः प्रबुद्ध करें हम।।

लघुकथा | अम्बिका कुमारी कुशवाहा

आपसी समझ

हाँ हाँ.. मैं आलसी हूँ.. बहुत आलसी। और कुछ कहना चाहती हो? इतना कहकर अनिमेष कमरे से बाहर निकल गया। श्वेता की मज़ाक में कही गई बात और अचानक अनिमेष का इस तरह का व्यवहार देख, श्वेता सोच में पर गई।

श्वेता और अनिमेष ने प्रेम विवाह किया था। दोनों कॉलेज में साथ पढ़े थे और श्वेता जानती थी अनिमेष एक शांत स्वभाव का संकोची लड़का है जो बिना कुछ पूछे अपनी बात भी नही कहता।

अनिमेष के पीछे श्वेता भी तेजी से बाहर निकली। अनिमेष बालकनी पर खड़े हो सड़क की ओर देख रहा था।

श्वेता ने उसके कंधे पर हाथ रख पूछा- क्या हुआ अनिमेष? कोई बात है क्या?

अनिमेष- नहीं श्वेता , कुछ नही.. बस ऐसे ही थोड़ा गुस्सा आ गया। सॉरी।

श्वेता- अनि.. हमने प्रेम विवाह किया है। मैं तुम्हारी जीवनसंगिनी और अच्छी दोस्त भी हूँ। तुम्हारा इस तरह मुझसे किसी बात को न कहना अच्छा नही लगता।

अनिमेष- (श्वेता की ओर देखते हुए) सॉरी श्वेता.. मुझे माफ कर दो, इस बार भी हम गर्मियों में शिमला नही जा सकते। बॉस ने छुट्टी देने से साफ मना कर दिया है। साथ पिछले सप्ताह अस्वस्थ रहने के कारण जो अवकाश लिया था, सैलरी से पैसे काट लिए बॉस ने। और अगले सोमवार से ओवरटाइम की ड्यूटी भी है।

श्वेता- उफ्फ.. ये बेरहम बॉस। बस इतनी सी बात और इतना बड़ा टेंशन लिए हो? अनि.. कोई बात नही, हम इस बार कहीं नही जाएंगे। अगली बार चलेंगे शिमला।

और हाँ तुम इतना क्यों सोचते हो? मैं तुम्हारी साथी हूँ, मैं भी जॉब करती हूँ, आर्थिक जिम्मेदारी मेरी भी हैं।

अनिमेष (मुस्कुराते हुए)- बुरा लगता है ना.. शादी के इतने दिन बाद भी तुम्हारे शिमला घूमने की इच्छा पूरा नही कर पा रहा।

श्वेता- मुझे भी कहाँ छुट्टी मिल पाती है। साथ घूमने की इच्छा तो तुम्हारी भी हैं। ये प्राइवेट जॉब भी न..

अनिमेष- मुझे तो आज संडे को सुबह सुबह तुमसे लड़ना था, पर तो उलझती ही कहाँ हो बातों में।(दोनो हँसते हैं)

श्वेता(घूरते हुए)- अच्छा जी! अगले साल छुट्टी पर हम सबसे पहले अपने घर चलेंगे। उसके बाद ही कही जाएंगे।

अनिमेष- जैसी आपकी आज्ञा देवी। 'रिश्तों की बुनियाद आपसी समझ, सम्मान, सहयोग और विश्वास पर केंद्रित होती है।'

साहित्य समाज को जोड़ने का काम करता है, इसलिए संस्कार के लिए खासतौर से युवाओं को साहित्य के प्रति जागृत करना आवश्यक है। यह जिम्मेदारी लेखकों और साहित्यकारों की भी है कि वे अच्छे साहित्य सृजन करके सामाजिक निर्माण में योगदान दें।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

समाज को दिशा देने में साहित्य की अहम भूमिका: मधु वशिष्ठ

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में समाज को नई दिशा देते हरियाणा के लेखकों, साहित्यकारों, कवियों और रचनाकारों में महिलाओं की भी अहम भूमिका रही है। ऐसी ही महिला साहित्यकारों में शुमार मधु वशिष्ठ भी साहित्य की विभिन्न विधाओं के जरिए सामाजिक सरोकार के फोकस में सकारात्मक विचारधाराओं से समाज को नई दिशा देने में जुटी हुई हैं। दिल्ली सरकार से सेवानिवृत्त अधिकारी के पद से सेवानिवृत्ति के बाद स्वतंत्र लेखन से रचना संसार को आगे बढ़ाते हुए साहित्य सृजन में जुटी मधु वशिष्ठ कई प्लेटफार्मों से भी अपने लेखन को सुगम और सरल बना रही हैं। अपने मनोभावों को कहानी या कविता के रूप में साहित्य को समर्पित लेखिका, रचनाकार, कवियत्रि और कहानीकार मधु वशिष्ठ ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में अपने साहित्यिक सफर के बारे में विस्तृत उल्लेख करते हुए कई ऐसे पहलुओं को उजागर किया, जिसमें समाज को सकारात्मक रूप से जागृत करने की दिशा में साहित्य की अहम भूमिका हो सकती है।

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में लोकप्रिय महिला रचनाकार मधु वशिष्ठ का जन्म 10 सितंबर 1959 को दिल्ली में सोमदत्त शर्मा और तारा रानी शर्मा के घर में हुआ। उनके पिता नई दिल्ली नगर पालिका परिषद में अधिकारी थे, इसलि मधु का बचपन दिल्ली के सरकारी मकान में ही बीता है। उनकी प्रारंभिक शिक्षा दिल्ली गोल मार्केट के नगर पालिका के स्कूल में हुई। उनका परिवार नगर पालिका के पुस्तकालय के नजदीक ही रहता था और परिवार के सदस्य उसके सदस्य भी थे, तो साहित्य के प्रति रुझान स्वतः ही होना तय था। वहीं दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी और रामकृष्ण मिशन की भी लाइब्रेरी भी उनके घर के पास ही थी, जहां परिवार के सभी लोग पुस्तकों को पढ़ते थे। बकौल मधु वशिष्ठ उस जमाने में प्रकाशित होने वाली चंपक, नंदन और बहुत सी कॉमिक्स जैसी पुस्तकें पढ़ने का शौक बढ़ने के साथ लेखन के प्रति भी रुचि जागृत होने लगी थी। उनकी लिखी हुई पहली कविता और कहानी 70 के दशक में कॉलेज की मैगजीन में प्रकाशित हुई तो लेखन के प्रति आत्मविश्वास बढ़ना भी स्वाभाविक ही था। उस जमाने में साहित्यिक सफर इतना आसान नहीं था कि वे अपनी कहानी या कोई भी रचना को प्रकाशित कराने के लिए दिल्ली प्रेस या धर्मयुग मैगजीन के लिए उनका पता ढूंढना पड़ता था और फिर लिफाफे में डालकर अपनी रचनाओं को वहां भेजना होता था, तो अधिकतर डाक वापस आ जाती थी यानी रचनाएं प्रकाशित होने की संभावनाएं भी नगण्य ही थी, लेकिन उनकी एक कविता को एक हिंदी मैगजीन में प्रकाशित हुई। मधु वशिष्ठ ने बताया कि साल 1974 से 77 के बीच भी उन्होंने कुछ रचनाएं लिखी थीं, लेकिन विवाहोपरांत और 80 के दशक के बाद उनकी व्यस्तताएं बहुत बढ़ गईं, जिसका कारण साल 1982 में उनकी दिल्ली सरकार में नौकरी लग गई, जहां से 2018 में सेक्शन ऑफिसर के पद से सेवानिवृत्त हुई हैं। मधु वशिष्ठ साधना कहानियां यादों की उनका अपना एक यूट्यूब चैनल भी है। मधु वशिष्ठ की नजर में इस आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति बहुत अच्छी तो नहीं है, क्योंकि अधिकतर लोग सोशल साइट में उलझे हुए हैं और लेखन से ज्यादा दृश्य उन्हें आकर्षित कर रहे हैं, इसलिए साहित्य के पाठकों में रुझान कम देखने को मिल रहा है। जहां तक युवा पीढ़ी की साहित्य में रुचि का सवाल है उनके ऊपर पाठ्यक्रम का बोझ ज्यादा है और जानकारी के लिए उनके पास इंटरनेट का सरल विकल्प भी है। वे कल्पना की बजाए अपनी पढ़ाई पर या मोबाइल में किसी भी विषय पर जानकारियां लेना ज्यादा पसंद करते हैं। हालात यहां तक पहुंच गये कि 1913 में रविंद्र नाथ ठाकुर को उनकी काव्य रचना गीतांजलि के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला था, लेकिन उसके बाद कोई भी कृति ऐसी नहीं हुई, जो की साहित्यिक पुरस्कार के योग्य समझी जा सके।

प्रकाशित पुस्तकें

मधु वशिष्ठ की विभिन्न विधाओं में अभी तक छह एकल पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। इनमें कहानियां यादों की, कहानी संग्रह कथा कुंज, कविता संग्रह जीवन और मन तथा भक्ति सागर प्रमुख रुप से शामिल हैं। इनके अलावा उनकी कविताओं के संकलन के रुप में अनुभव नामक पुस्तक भी उनकी उपलब्धियों में शामिल है। रचनाकार मधु की 80 से अधिक साझा संकलनों में रचनाएं प्रकाशित हो चुकी है। इसके अलावा राष्ट्रीय पत्र व पत्रिकाओं में उनके लेख, कहानियां औरकविताएं भी प्रकाशित होती आ रही हैं।

मधु वशिष्ठ

पुरस्कार व सम्मान

कवयित्री को विभिन्न विधाओं में सैकड़ों पुरस्कार और सम्मान मिले हैं। इसमें प्रतिलिपि में उन्हें गोल्ड बैज के साथ प्रमाणपत्र का सम्मान भी मिला है। धारावाहिक लेखन में उन्हें फेलोशिप का सम्मान भी मिला है। स्टोरी मिरर में लिटरेरी जनरल की उपाधि से सम्मानित मधु वशिष्ठ ऑथर ऑफ द ईयर अवार्ड से भी सम्मानित है। इसके अलावा उन्हें काव्य विभूति सम्मान, काव्यश्री सम्मान, साहित्य रत्न सम्मान, शांतिप्रिय व्यक्तित्व सम्मान, श्रेष्ठ कहानीकार सम्मान मिल चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: मधु वशिष्ठ
जन्मतिथि: 10 सितंबर 1959
जन्म स्थान: राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली
शिक्षा: बीए, बीएड (मिरांडा हाउस दिल्ली)
सम्प्रति: सेवानिवृत्त अधिकारी, स्वतंत्र लेखन
संपर्क: 19/8, फरीदाबाद (हरियाणा)

चिंता और चिंतन को प्रतिबिंबित करते दोहे

पुस्तक : उगें हरे संवाद (दोहा संग्रह)
कवि : योगेन्द्र वर्मा 'व्योम'
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : गुंजन प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | डॉ. रामनिवास 'मानव'

दोहा हिंदी का प्राचीन और परंपरागत लघु छंद है, जिसने हर काल में अपनी सार्थकता सिद्ध की है। भक्तिकाल में यह रामबाण बनकर चला, तो रीतिकाल में इसने कामबाण बनकर लक्ष्य-संधान किया। वर्तमान काल में भी दोहे की प्रासंगिकता बनी हुई है, किंतु आज का दोहा तुलसी-रहीम-बिहारी के दोहों का सगोत्रीय छंद नहीं है। इसकी गर्भनाल कबीर के बेबाक दोहों से जुड़ी है। इसकी मारक क्षमता भक्ति-रीति कालीन दोहों से कहीं अधिक और गहरी है तथा यह अग्निबाण बनकर असंगतियों, विसंगतियों और विकृतियों के ढेर में पलीता लगाने का काम कर रहा है। यही कारण है कि आज अनेक समर्थ कवि दोहा-लेखन में सक्रिय हैं।

ऐसे कवियों में गीत-नवगीत के श्रेष्ठ हस्ताक्षर योगेन्द्र वर्मा 'व्योम' का नाम भी सम्मिलित है, जो दोहा छंद को धार देने का सफल-सार्थक प्रयास अपनी लेखनी द्वारा कर रहे हैं। 'परिवार के उजले भविष्य- पुत्र और पुत्रियों को समर्पित', 332 दोहों के अपने प्रथम दोहा-संग्रह 'उगें हरे संवाद' में वह बढ़ती संवेदनहीनता, टूटते रिश्तों और बिखरते परिवारों की त्रासद स्थिति पर तो चिंतित दिखाई पड़ते ही हैं, पारस्परिक संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में अंतर्निहित आत्मीयता की ऊष्मा पर भी उनका पूरा जोर है। उनके दोहे देखिए- स्वस्थ भला कैसे रहे, अपनापन-सम्मान ।
भीतर हों जब तलख़ियाँ, चेहरों पर मुस्कान।।
गूगल युग ने क्या किया, छीन लिए एहसास।
छिटक रही संवेदना, चटक रहे विश्वास।।

किंतु जैसे-जैसे हम उनके दोहों के माध्यम से आगे बढ़ते हैं, समकालीन जीवन-यथार्थ के अन्य विद्रूप आयाम भी उद्घाटित होते जाते हैं। इन दोहों में कवि की चिंता और चिंतन, दोनों तो साथ-साथ चलते ही हैं, भावों की भंगिमा तथा भाषा की लाक्षणिकता इन्हें और भी मारक तथा महत्त्वपूर्ण बना देती है। संग्रह के अनेक दोहों की कलात्मकता भी देखते ही बनती है-
शहरों के हर स्वप्न पर, कैसे करें यक़ीन।
उम्मीदों के गाँव हैं, जब तक सुविधाहीन।।
घुल-मिलकर व्यक्तित्व में, बिखरे मधुर सुगंध।
पढ़कर तो देखो कभी, सच के ललित निबंध।।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि 'उगें हरे संवाद' संग्रह दोहा-परंपरा में भाव और भाषा-शिल्प की दृष्टि से काफी-कुछ नया जोड़ता है। संग्रह के दोहे पाठकों को पसंद आयेंगे, यही विश्वास है।

खबर संक्षेप

छात्रों ने चीनी पकवान बनाने सीखे

रोहतक। मदवि में छात्र कल्याण कार्यालय के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन अभिरुचि की कक्षाएं जारी हैं। रविवार को पाक कला कौशल कक्षा के तहत आईएचटीएम में रिसोर्स पर्सन शेफ देविना ने इंडो-चाइनीज पकवान बनाना सिखाया। शेफ देविना ने विविध भारतीय-चीनी पकवानों को बनाना सिखाया। वहीं, सेंटर फॉर लैंग्वेज स्किल्स तथा सॉफ्ट स्किल्स के तहत भाषण कला तथा मौखिक संचार कौशल की अभिरुचि कक्षा आयोजित की जा रही है।

रोटरी क्लब की चौथी असेंबली आयोजित हुई

रोहतक। रोटरी क्लब ऑफ रोहतक सफायर द्वारा दिल्ली रोड स्थित निजी हॉटल में चौथी क्लब असेंबली समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता क्लब के प्रधान राजीव बेरीवाल व मुख्य अतिथि एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने की। इसमें सदस्यों ने क्लब की गतिविधियों को लेकर चर्चा की और अगामी समय के प्रोजेक्ट को लेकर मंथन किया। इस दौरान सर्वसम्मति से दो प्रस्ताव पारित किये गये।

विद्यार्थियों की कला की प्रशंसा की

रोहतक। पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मॉडल टाउन में ग्रीष्मकालीन शिविर टाबर उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान विद्यार्थियों को नई-नई कलाओं को सीखने का मौका मिल रहा है। इस उत्सव में कक्षा 9वीं से 12वीं के 50 विद्यार्थी भाग ले रहें हैं। ज़िला कॉर्डिनेटर डॉ. सुनीता अहलावत डाइट मदीना की देख रेख में शिविर आयोजित किया जा रहा है।

पुलिस टीम ने नशे के खिलाफ जागरूक किया

रोहतक। नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के तहत पुलिस की टीम अलग-2 स्थानों पर जाकर जागरूक कर रही हैं। सभी थाना, चौकी प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा ओल्ड आईटीआई, गांव टिटौली, बहुअकबुपर, चांदी, सुखपुरा, रुडकी, काहनौर, मदीना व अन्य जगहों पर व्यक्तियों को इकट्ठा करके नशा न करने को लेकर जागरूक किया गया।

पूजा अर्चना के बाद यमुना मैया से संबंधित गीत गाए

यमुना-सिद्धपीठ सतकुंभा धाम में लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

इस दिन यमुना में स्नान करना बेहद कल्याणकारी

यमुना मैया की आराधना करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

ज्येष्ठ माह के दशहरे पर रविवार को श्रद्धालुओं ने यमुना के बेगा , पबनेरा आदि घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने यमुना में आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालु सुबह से ही अपने वाहनों में बैठकर यमुना घाट पर पहुंचे और पूजा अर्चना के बाद यमुना मैया से संबंधित गीत गाए और यमुना में आस्था की डुबकी लगाई । आस्था है कि इस दिन यमुना में स्नान करना बेहद कल्याणकारी है। दशहरा पर्व का महत्व स्नान और दान से जुड़ा है। प्रिंस शास्त्री ने बताया कि दशहरा का त्योहार ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मनाया जाता है। इस त्योहार पर चित्रा नक्षत्र और शुभ मुहूर्त साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहा था । जो सालों बाद देखने को मिल रहा है. इसलिए आज के दिन यमुना मैया दर्शन पूजन का विशेष महत्व है । श्रद्धालु सुबह से ही अपने वाहनों में बैठकर यमुना घाट पर पहुंचे और पूजा अर्चना के बाद यमुना मैया से संबंधित गीत गाए और यमुना में आस्था की डुबकी लगाई । आस्था है कि इस दिन यमुना में स्नान करना बेहद कल्याणकारी है। दशहरा पर्व का महत्व स्नान और दान से जुड़ा है। प्रिंस शास्त्री ने बताया कि दशहरा का त्योहार ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मनाया जाता है।दशहरा का सनातन धर्म में बेहद खास महत्व होता है। इस दिन यमुना मैया की आराधना करने से सभी प्रकार के पापों से व्यक्ति मुक्त हो जाता है। शास्त्री प्रिंस मुदगिल ने बताया कि इसके साथ ही गंगा स्नान से सभी कष्ट दूर होते हैं। आज के दिन दान पुण्य का भी विशेष महत्व है। यही वजह है कि लोग यमुना में स्नान करते हैं ।

गन्नौर। यमुना के बेग घाट पर स्नान करने पहुंचे श्रद्धालु व खेड़ी गुर्जर में सतकुंभा धाम पर स्नान करते श्रद्धालु । फोटो :हरिभूमि

■ ज्येष्ठ के महीने में गंगा दशहरे का पावन पर्व धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में महत्वपूर्ण

सिद्धपीठ सतकुंभा धाम पर लगा मेला

हजारों श्रद्धालुओं ने कुंड में स्नान किया और इष्ट देवों की पूजा की हरियाणा के प्रसिद्ध 68 तीर्थों में शामिल सिद्धपीठ सतकुंभा धाम, खेडी गुज्जर में रविवार को ज्येष्ठ के गंगा दशहरे पर भव्य मेला लगा। हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर पूजन-अर्चना की। पीठाधीश्वर राजेश स्वरूप महाराज ने इस महापर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ज्येष्ठ के महीने में गंगा दशहरे का पावन पर्व धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में महत्वपूर्ण है। इस दिन गंगा मैया का आगमन हुआ था, और इस स्नान और पूजन को पुण्यदायी माना गया है।

दिल्ली के पहले सीएम चौधरी ब्रह्म प्रकाश को जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली। दिल्ली पंचायत संघ ने रविवार को गांव नांगलोई सईदान में पंचायत प्रमुखों की बैठक की। इस मौके पर दिल्ली के प्रथम मुख्यमंत्री चौधरी ब्रह्म प्रकाश की जयंती पर उनको नमन किया और उनकी ओर से दिल्ली देहात के गांव, गरीब, ग्रामीण किसानों के उद्धार करने के प्रयासों को याद किया। साथ ही प्रथम मुख्यमंत्री चौध ब्रह्म प्रकाश की जयंती पर आंदोलन शुरू करने का ऐलान करते हुए कहा कि दिल्ली पंचायत संघ गांवों की मांगों को लेकर प्रत्येक गांव व सभी नेताओं के पास जाएगा। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों चौधरी ब्रह्म प्रकाश और साहिब सिंह वर्मा ने दिल्ली व दिल्ली देहात को बिजली, पानी, प्रदूषण, रोजगार, खेती किसानों की समस्याओं के निदान और उत्थान के लिए काम किया। हम उनके कार्यों व मांगों को लेकर चल रहे हैं और समय-समय पर शासन प्रशासन को इनसे अवगत करा रहे हैं। गांवों को स्लम बनाया जा रहा है। लिहाजा गांवों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कार के दरवाजे में छिपाकर कर रहा था हथियार सप्लाई

सप्लायर दबोचा, 10 पिस्टल बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने हथियार तस्करी के मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोपी कार के दरवाजे में हथियार छिपाकर एक जगह से दूसरी जगह लेकर जाता था। इसके पास से 10 पिस्टल बरामद हुये। गिरफ्त में आये शख्स का नाम 42 वर्षीय तरुण मेहरा बताया गया है। वह उत्तम नगर क्षेत्र का रहने वाला है। डीसीपी प्रतीक्षा गोदरा के अनुसार तरुण मेहरा को आईपी पार्क के मेन गेट, रिंग रोड से पकड़ा गया। पूछताछ में पता चला कि यह दिल्ली और पंजाब के अपराधियों को ड्रग्स और अवैध हथियारों की आपूर्ति करता था। इसकी कार के दोनों दरवाजों में एक विशेष जगह बनाकर इन पिस्टलों को छिपाकर रखा था। आरोपी एनडीपीएस एक्ट के केस में पहले भी दो बार अरेस्ट हो चुका था। बाद में यह कालू नामक हथियार सप्लायर के संपर्क में आया। जल्द पैसा कमाने के लिए अवैध हथियार सप्लाई करने लगा। कालू के निर्देश पर वह बुरहानपुर, मध्य प्रदेश के हथियार सप्लायर जेडी से हथियार लाता था।

महाविद्यालय प्राध्यापकों ने लिखा शिक्षा मंत्रालय व यूजीसी को पत्र

नई दिल्ली। कॉलेजों में प्राध्यापकों के वरिष्ठता क्रम (सीनियरिटी) में एकरूपता नहीं नहीं होने से कॉलेज के प्राध्यापकों में गहरा रोष है। परिणामस्वरूप कॉलेजों में सहायक प्रोफेसरों के वरिष्ठता क्रम को लेकर एकरूपता नहीं है और वरिष्ठता क्रम को लेकर कॉलेजों में वाद-विवाद खड़ा हो गया है। प्राध्यापकों में तनाव की स्थिति बन गई है। फोरम आफ एकेडमिक फॉर सोशल जस्टिस के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने रविवार को जानकारी देते हुए कहा कि विभिन्न विभागों और कॉलेजों में ये नियुक्तियां विश्वविद्यालय द्वारा बनाई गई चयन समिति के माध्यम से की गई हैं। लेकिन चयन समिति ने मिनिट्स बनाते समय भारत सरकार की आरक्षण नीति के अंतर्गत भर्ती नीति व कॉलेजों द्वारा बनाए गए रोस्टर के अंतर्गत श्रेणीवार चयनित अभ्यर्थियों का नाम नहीं रखा। फोरम ने कहा कि इसमें आरक्षित वर्ग के प्राध्यापकों के साथ अधिक भेदभाव किया जा रहा है। जूनियर प्राध्यापकों को वरीयता देकर वरिष्ठ बनाया जा रहा है। आरक्षित वर्गों के सहायक प्रोफेसरों के साथ हो रहे इस भेदभाव को लेकर फोरम ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, एससी/एसटी के कल्याणार्थ संसदीय समिति, शिक्षा मंत्रालय व यूजीसी को पत्र लिखकर इस अनियमितता की जांच कराने की मांग की है। साथ ही जिन कॉलेजों में पिछले दो साल में शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति हुई है उनके रोस्टर रजिस्टर की भी जांच कराये जाने की मांग की है।

द्वारका इलाके में पेड़ पर लटका मिला शव

■ पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए डीडीयू भेज दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

द्वारका नॉर्थ इलाके में एक पुरुष की पेड़ से लटकी लाश पाई गई। शुरुआती जांच में पुलिस इस घटना को खुदकुशी मानकर चल रही है। मृतक की पहचान रमेश (48) के तौर पर हुई। वह भरत विहार एरिया में रहता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए डीडीयू भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक गेट नंबर एक सेक्टर 14 मेट्रो स्टेशन द्वारका के नजदीक एक व्यक्ति के पेड़ पर लटके होने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची। क्राइम टीम ने मौके पर पहुंच जांच पड़ताल की। इसके बाद लाश को पेड़ से नीचे उतार पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस को पता चला है कि मृतक स्नैक्स बेचने का काम करता था। पुलिस को मामले में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। किसी भी अंतिम नतीजे पर पहुंचने से पहले पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

गर्भवती पत्नी व सास-ससुर का कत्ल करने वाला सजायाफ्ता गिरफ्तार

जेल से पैरोल मिलने के बाद नहीं किया था सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने ट्रिपल मर्डर केस में आजीवन कारावास की सजा पा चुके मुजरिम को गिरफ्तार किया है। इसने अवैध संबंधों के शक में 2008 में गर्भवती पत्नी और उसके माता पिता की हत्या कर दी थी। इस वारदात को अंजाम देने के बाद उसने एक्सीडेंट की झूठी कहानी भी बनाई थी। पैरोल पर जेल से बाहर निकलने के बाद यह फरार हो गया था। डीसीपी अमित गोयल के अनुसार 19 अप्रैल 2008 को राजनगर पार्ट 2, पालम गांव में ट्रिपल मर्डर की एक वारदात हुई थी। पुलिस को घटनास्थल पर दो महिलाओं और एक पुरुष की लाश मिली थी। इस घटना की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि परिवार से जुड़े सदस्य नितिन वर्मा

को भी घायल हालत में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। पुलिस की तफ्तीश आगे बढ़ी तो वारदात में नितिन का हाथ सामने आया। केस में नितिन को अरेस्ट कर लिया गया। कोर्ट में केस चला, जहां उसे मामले में आजीवन करावास की सजा सुनायी गई। पैरोल मिलने के बाद उसने जेल में वापस सरेंडर नहीं किया। करीब एक साल से वह पुलिस की पकड़ से दूर था। क्राइम ब्रांच को हाल ही में नितिन के बारे में सूचना मिली कि वह पालम कॉलोनी में रह रहा है। उसके बारे में जानकारी जुटायी गई। पता चला कि वह दरियागंज एरिया में काम करता है। हालांकि वहां से एक महीने पहले ही वह काम छोड़ चुका था। अब वह गुवाहाटी में अपना करोबार जमाने की तैयारी कर रहा था। पुलिस से बचने क लिए वह लगातार अपने मोबाइल, सिम और ठिकाने बदलता रहता था। आखिरकार पुलिस ने इसे गुवाहाटी से दबोच लिया।

उस्मानपुरः प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के उस्मानपुर इलाके में 34 वर्षीय एक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारी ने बताया कि उस्मानपुर के शांति मोहल्ला इलाके में मोटरसाइकिल पर सवार कुछ लोगों ने विक्की का पीछा किया और उस पर तीन गोलियां दागीं। पुलिस उपायुक्त ने कहा, एक गोली विक्की के सिर के पिछले हिस्से में लगी जिससे उसकी मौत हो गई। मौके पर तीन खाली कारतूस मिले हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को हत्या के पीछे पुरानी रंजिश का संदेह है।

नए शिक्षा सदन के भूमितल का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शांत नगर काठ मंडी में नए शिक्षा सदन के भूमितल का उद्घाटन हुआ। सदन में हवादार कमरे बनाये गये हैं और बच्चों के पानी पीने के लिये वाटर कूलर लगाये गये हैं। बड़े हाल जो कि एलपीएस बोसार्ड के डायरेक्टर राजेश जैन के पिता सेठ बिमल प्रसाद के नाम से बना बड़ा एयर कंडीशन हाल उद्घाटन कर संस्था को बच्चों के लिए समर्पित किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम पर बच्चों ने अपनी अपनी प्रस्तुती दी। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि महामंडलेश्वर डॉ. परमानंद स्वामी महाराज, महामंडलेश्वर बाबा कर्णपुरी महाराज, मुख्य अतिथि एलपीएस बोसार्ड के डायरेक्टर राजेश जैन, सुरेंद्र जैन, वंदना जैन, सिद्धार्थ जैन, संस्था के चेयरमैन हरि प्रकाश गुप्ता, प्रधान नरेश जैन, समाजसेवी गोबिंद राम सिंगल, अमरिश गुप्ता, राजेश सिंहपुरिया, जयभगवान मंगला, योगेश गुप्ता, संजय सिंगला, अजेश गुप्ता, विधायक बीबी बत्तरा ने उद्घाटन किया। संस्था में पढ़ रहे बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर अपनी प्रस्तुती देकर सभी का मन मोह लिया, बच्चों ने हरियाणवी डांस, देशभक्ति गीतों जैसे यह देश है वीर जवानो का, हमारे देश के क्या कहने आदि पर प्रस्तुति दी।

रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते हुए एलपीएस बोसार्ड के डायरेक्टर राजेश जैन ,महामंडलेश्वर डॉ. परमानंद स्वामी महाराज, महामंडलेश्वर बाबा कर्णपुरी महाराज, वंदना जैन व संस्था के चेयरमैन हरि प्रकाश गुप्ता।

संत निरंकारी मिशन शिविर में 105 ने किया रक्तदान

■ संतों का समागम भी हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

स्थानीय पंजाबी धर्मशाला में संत निरंकारी मिशन की ब्रांच महम द्वारा विशाल रक्तदान शिविर लगाया गया तथा भव्य सन्त समागम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भिवानी और रोहतक जिलों के ग्रामीण व शहरी इलाकों से श्रद्धालुओं ने अत्यन्त श्रद्धा से हिस्सा लिया। पी.जी.आई.एम.एस रोहतक से डॉ. वैशाली के नेतृत्व में मैडिकल टीम ने रक्त संग्रह किया। सत्संग और रक्तदान शिविर की अध्यक्षता टोहाना जोन के जोनल इंचार्ज, मिशन के संत रमन नागपाल ने की। रक्तदान शिविर का उद्घाटन एस डी एम महम दलबीर फोगाट तथा संत रमन नागपाल ने संयुक्त रुप से किया। इस शिविर में रक्तदाताओं का भरपूर उत्साह देखने को मिला। शिविर में 105 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। जिसमें महिलाओं की भी भागीदारी देखने को मिली। संत रमन नागपाल ने सत्संग में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए फ़रमाया कि रक्तदान मानवता की निष्काम तथा निःस्वार्थ सेवा है । उन्होंने आगे फ़रमाया कि युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह महाराज के दिव्य वाक्य /"इन्सान का रक्त सड़कों व नालियों में नहीं बल्कि इन्सानी नाड़ियों में बहे/" को अमली रूप देते हुए 1986 में रक्तदान शिविरों की मुहिम की शुरुआत हुई। तब से आज तक लगातार यह निष्काम व निःस्वार्थ सेवा महाअभियान का रुप लेकर सम्पूर्ण विश्व में निरन्तर जारी है। सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के बचनों को मानकर किये गये रक्तदान की निष्काम सेवा ही भक्ति बन जाती है। निराकार परमात्मा को जन-जन में देखकर ही निष्काम सेवा हो सकती है। वर्तमान समय में सदगुरु माता सुदीक्षा महाराज इन्सान को ब्रह्मज्ञान देकर उसे वास्तविक आध्यात्मिकता से जोड़कर भ्रमों व विकारों से निजात देकर आनंदपूर्वक जीवन जीने का ढंग सिखा रहे हैं तथा निष्काम सेवा का पाठ पढ़ा रहे हैं। उन्होंने संपूर्ण हरदेव वाणी के शब्द संख्या 166 के हवाले से आगे कहा कि आग को आग से नहीं बुझाया जा सकता,आग को बुझाने के लिए जल की आवश्यकता होती है।

महम। पंजाबी धर्मशाला में संत निरंकारी मिशन के रक्तदान शिविर का रीबन काटकर शुभारंभ करते एसडीएम दलबीर सिंह फोगाट।

तीन मंजिला कार्डबोर्ड की फैक्ट्री में लगी आग,लाखों का माल खाक

कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने काबू पाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बाहरी जिले के मुंडका में रविवार सुबह तीन मंजिला कार्डबोर्ड की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। करीब 11 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। आग से फैक्ट्री में रखी मशीनें और लाखों रुपए का माल जलकर खाक हो गया। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि

सुबह 7 बजकर 17 मिनट पर मुंडका औद्योगिक क्षेत्र में पिलर नं 557, गली नं 1, हुंडई शोरूम के पास, खसरा नंबर 83/5/2ओरल इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के ऑफिस व गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। दमकल की 35 गाड़ियों ने शाम करीब छह बजे आग पर काबू किया। करीब एक हजार गज में बनी फैक्ट्री की तीसरी मंजिल की छत पर टीन शेड डालकर काम होता था। फैक्ट्री में कार्डबोर्ड, गत्ता और एलईडी बनाने का काम होता था। बहरहाल अब पुलिस आग के सही कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। शुरुआती जांच में पता चला कि फैक्ट्री के बगल में खाली प्लॉट है। उसमें घास और झाड़ियां उगी है। आग वहीं से शुरू होने की आशंका जताई गई है।

आस्था पर्व की तैयारियों को लेकर महिलाएं बाजारों में खरीदारी करती नजर आई

इस बार पाक व अफगान के छुआरे के साथ बनारसी किमामी सेवइयां खास बनी

जिलेभर की मस्जिदों में आज ईद उल जुहा पर्व उल्लास के साथ मनाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले भर में सोमवार को ईद उल जुहा (बकरीद) पर्व मनाया जाएगा, जिसको लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। जिलेभर की विभिन्न मस्जिदों में ईद उल जुहा पर्व उल्लास के साथ मनाया जाएगा। ईद पर्व की तैयारियों को लेकर महिलाएं रविवार को बाजार में खरीदारी करती नजर आई। इस बार पाकिस्तान व अफगान के छुआरे के साथ बनारसी किमामी सेवइयां खास बनी हुई हैं। मस्जिदों के बाहर व बाजार में मेवे, सेवइयां व रंग-बिरंगी फैनी की दुकानें सजी नजर आई।

मस्जिदों के बाहर मेवे, फल, सेवइयों व फिरनी की दुकानों पर दिनभर खरीदारी की गई। मामा भांजा मस्जिद के बाहर दुकानदार उस्मान ने बताया कि इस बार ग्राहकों के लिए चार प्रकार की सेवइयां व तीन तरह का छुहारा मंगवाया गया है। पाकिस्तान के साथ अफगान का छुहारा व बनारसी सेवइयां खास हैं। जिनकी मांग बढ़ रही है। सेवइयां 80 से 200 रुपये तक और छुहारा 200 से 300 रुपये किलो तक उपलब्ध है। दुकानों पर दिल्ली से पहुंचे सूखे मेवे, सेवइयां, छुआरा, फिरनी व रंग-बिरंगी फैनी की ज्यादा डिमांड है। रंग-बिरंगी फैनी 160 रुपये व किमामी सेवइयां 200 रुपये किलो है। चिरौंजी 1800 रुपये, किशमिश 300 रुपये व मगज 1000 व गोला 160 रुपये किलो उपलब्ध है। जिलाभर की मस्जिदों में सोमवार सुबह अलग-अलग समय में नमाज अदा की जाएगी। ईद पर नमाज अदा करने के बाद बाजारों में चहल-पहल का माहौल रहेगा। वहीं गर्मी के चलते ईद को लेकर कच्चे क्वार्टर मार्केट व कपड़ा बाजार में खास खरीदारी नहीं हुई। गत वर्ष की अपेक्षा इस बार कम ग्राहक खरीदारी के लिए पहुंचे।

कुर्बानी व दान करने का खास महत्वः कासमी

रसोई स्थित मदीना मस्जिद के इमाम कारी नसीम कासमी ने बताया कि ईद उल जुआ पर्व पर कुर्बानी व दान करने का खास महत्व है। नमाज अदा कर खुदा के हुकुम की पालना की जाती है। यह त्योहार आपसी भाईचारे का संदेश देता है। इस दिन कुर्बानी करने वाले लोग इब्राहिम अलेही सलाम की सुन्नत को जिंदा करते हैं। कुर्बानी सिर्फ बकरा ही नहीं, एक-दूसरे की मदद करके, दूसरों के बारे में अच्छा सोचकर व हम अपनी बुराईयों को छोड़कर भी कुर्बानी कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

खरखौदा के वार्ड 13 से बाइक चोरी

खरखौदा। शहर के वार्ड 13 में मकान के बाहर खड़ी बाइक चोरी हो गई है। शिकायत पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। वार्ड 13 निवासी विक्रम ने बताया है कि उसने अपनी सीडी डिलक्स बाइक को रोजाना की तरह घर के बाहर खड़ा किया था। सुबह उठने के बाद वह बाहर आया तो पाया कि बाइक चोरी हो गई है। शिकायत पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है।

मंदिर शिवाला मस्तनाथ में भागवत कथा आज

गोहाना। वृंदावन धाम के कथा व्यास विजय कृष्ण सोमवार से पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र में स्थित सनातन धर्म मंदिर शिवाला मस्तनाथ में श्री मद भागवत कथा का वाचन करेंगे। गोयल परिवार द्वारा आयोजित यह भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर बाद 3 बजे से सायं 6:30 बजे तक होगी। भागवत कथा के यजमान रोशन लाल गोयल और उनकी पत्नी सरोज बाला के साथ उनके सी.ए. बेटे विनोद गोयल और बहू प्रियंका गोयल होंगे। संयोजन छोटे बेटे गोबिंद गोयल करेंगे। भागवत कथा का शुभारंभ सोमवार को प्रातः 8 बजे कलश पूजन और 9 बजे प्रारंभ होने वाली कलश यात्रा के साथ होगा।

संत-महात्माओं के संदेश को घर-घर पहुंचा रही हरियाणा सरकार

महर्षि वाल्मीकि ने समानता का संदेश देकर समाज को दिखाई राह : वाल्मीकि

- महर्षि वाल्मीकि जमीन की सतह से धर्म की पराकाष्ठा प्राप्त करने वाले महात्मा थे
- महर्षि ने आदिकाव्य रामायण जैसी रचना कर समाज को सत्य व कर्तव्यनिष्ठा का मार्ग दिखाया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गन्नौर। सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री बिसंबर वाल्मीकि संबोधित करते हुए साथ में समाजसेवी एवं मन्नत ग्रुप आफ होटल के अध्यक्ष देवेंद्र कादियान। फोटो : हरिभूमि

रविवार को गन्नौर जीटी रोड़ फ्लाईओवर के नीचे आयोजित महर्षि भगवान वाल्मीकि मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री बिसंबर वाल्मीकि ने शिरकत की। मंत्री ने महर्षि भगवान वाल्मीकि की मूर्ति पर पुष्पांजलि करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जमीन की सतह से धर्म की पराकाष्ठा प्राप्त करने वाले महात्मा थे जिन्होंने आदिकाव्य रामायण जैसी रचना कर समाज को सत्य व कर्तव्यनिष्ठा का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा दी गई सामाजिक समरसता, मानवता जैसे नैतिक मूल्यों की आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिकता है। उनके विचार एवं आदर्श हमें समतामूलक समाज की स्थापना की प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी को महर्षि वाल्मीकि के महान दृष्टिकोण एवं उनके द्वारा दी गई शिक्षा को अपने व्यवहार में अपनाने का संकल्प लेना होगा। यही उनके प्रति हमारा सम्मान तथा सच्ची श्रद्धा होगी। हरियाणा में सभी वर्गों के संत-महात्माओं व महापुरूषों की जयंती आदि से संबंधित कार्यक्रम राज्यस्तर पर मनाए जाते हैं। हरियाणा में भाजपा सरकार ने ही महर्षि वाल्मीकि, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, संत कबीरदास व संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती के आयोजन प्रदेश स्तर पर मनाने की शुरूआत की है कार्यक्रम में पहुंचे विशिष्ट अतिथि समाजसेवी एवं मन्नत ग्रुप आफ होटल के अध्यक्ष देवेंद्र कादियान ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए, वे महान समाज सुधारक थे।

भगवान वाल्मीकि महान चिंतक, विचारक और युग दृष्टा के साथ-साथ समाज सुधारक भी थे। उन्होंने अंधविश्वास, कुरीतियों और रूढ़िवादिता का डटकर विरोध किया और समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि संत-महात्माओं की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की धरोहर हैं।

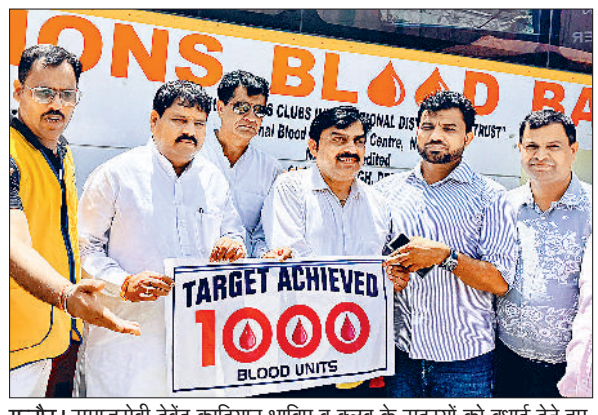

गन्नौर। समाजसेवी देवेंद्र कादियान भाविप व क्लब के सदस्यों को बधाई देते हुए, साथ में योगेश कौशिक व अन्य। फोटो : हरिभूमि

व्यक्ति अपना रक्त देकर दूसरों की जिंदगी बचा सकता है : कादियान

- लायंस क्लब व भाविप ने लगाया संयुक्त रक्तदान शिविर, 135 यूनिट रक्त आने के साथ 1 हजार का टारगेट पूरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

ये रहे उपस्थित

भारत विकास परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र कौशिक, अध्यक्ष विकास भगवती, अंकित त्यागी, सुरेश भुटानी, संदीप सिंघल, योगेश कौशिक, कृष्ण जिंदल, राजकुमार अग्रवाल, काजल सिंघल, निशा कौशिक, दीपिका शर्मा, आरपी वर्मा, गौरव त्यागी, डॉक्टर प्रीति, मनोज कुमार आदि ने शिविर सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।

लायंस क्लब गन्नौर एवं भारत विकास परिषद गन्नौर शाखा, हरियाणा मध्य प्रांत द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर रविवार को गन्नौर अड्डा पर फ्लाईओवर के नीचे लगाया गया। शिविर में युवाओं के साथ महिलाओं ने जरूरतमंद लोगों की जिंदगी बचाने को लेकर उत्साह से रक्तदान किया। सेहत कर्मियों की टीम ने शिविर में करीब 135 यूनिट ब्लड एकत्र किया। शिविर में देवा सोशल वेलफेयर सोसायटी संस्थापक देवेंद्र कादियान ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाने के साथ ही अपने हाथों से प्रशंसा पत्र व हेलमेट देकर सम्मानित किया। कादियान ने कहा कि रक्तदान एक अनमोल उपहार है, जो मानवता में जीवन को बचाने में मदद कर सकता है।

चितरंजन दास को श्रद्धांजलि देकर किया नमन : दांगी

अपनी पूरी सम्पत्ति मेडिकल कॉलेज के लिए दान की, तभी वह देशबंधु कहलाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना। चितरंजन दास के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए नागरिक। फोटो : हरिभूमि

चितरंजन दास ने अपनी पूरी सम्पत्ति मेडिकल कॉलेज और महिला अस्पताल के लिए दान कर दी। तभी वह देशबंधु कहलाए। रविवार को यह खुलासा आजाद हिंद देशभक्त मोर्चे के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने किया।

दांगी सिरसाढ़ गांव के भगवान विश्वकर्मा भवन में देशबंधु चितरंजन दास की 99वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल वाल्मीकि ने की जो गांव के पूर्व सरपंच और मोर्चे की बरोदा हलका इकाई के महासचिव हैं। अनिल वाल्मीकि ने दावा किया कि देशबंधु चितरंजन दास आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेता जी सुभाष चंद्र बोस के राजनीतिक गुरु थे। वह अलीपुर षड्यंत्र केस में अरविंद घोष के वकील थे। मोर्चे के प्रवक्ता राम निवास पांचाल ने कहा कि चितरंजन दास स्वराज पार्टी के संस्थापक थे। उन्होंने अनेक क्रांतिकारियों के केस पूरी तरह से मुफ्त में लड़े थे। 16 जून 1925 को उनका निधन हो गया। इस अवसर पर मनजीत प्रजापति, सुनील सिंधु, कृष्ण पांचाल, दलबीर प्रजापति, राकेश पांचाल, अजय विश्वकर्मा आदि भी उपस्थित रहे।

सैनी समाज ने लगाई मीठे पानी की छबील

खरखौदा। ज्येष्ठ माह की दसवीं के पर्व पर रोहतक मार्ग स्थित अपने पितृ स्थान पर सैनी समाज की तरफ से रविवार को मीठे पानी की छबील लगाई गई। इस दौरान सेवादार युवकों ने राहगीरों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए मीठा पानी पिलाया गया। आयोजन से जुड़े शमशेर ने बताया कि गर्मी को देखते हुए युवाओं ने मीठे पानी की छबील लगाने का निर्णय लिया। कहने की जरूरत नहीं, इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। परिणामस्वरूप लोगों को थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहने की आवश्यकता महसूस हो रही है, ताकि गर्मी से राहत मिल सके। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मुख्य मार्ग पर छबील लगाकर यह सेवा कर्म किया गया। इस अवसर पर धर्म सिंह, श्रीभगवान, आनंद, शमशेर सिंह आदि मौजूद रहे।

हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए दी नि:शुल्क बस सेवा की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

राई। कांग्रेस नेता जयभगवान आंतिल ने फ्री बस सेवा को रवाना करते हुए।

जैनपुर गांव में श्रद्धालुओं ने लगाए जय मां गंगे के जयकारे राई। गंगा दशहरा पर्व पर हरिद्वार में मां गंगा स्नान के लिए जैनपुर से अनेक श्रद्धालु रवाना हुए है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आंतिल बाराहा खाप के प्रधान एवं कांग्रेस नेता जयभगवान आंतिल ने फ्री बस सेवा देते हुए जय मां गंगे-हर हर गंगे के जयकारे के साथ बस को रवाना किया है। बस से श्रद्धालु मार्ग में आने वाले कई तीर्थ स्थलों का दर्शन भी कर सकेंगे।

जैनपुर गांव से श्रद्धालुओं से भरी बस को रवाना करते हुए कांग्रेस नेता जयभगवान आंतिल ने कहा कि गंगा दशहरा पर गंगा जी में स्नान करने से आरोग्य अमृत की प्राप्ति होती है। गंगा दशहरा पर गंगा की पूजा करने वालों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और जीवन में चल रही परेशानियों से छुटकारा मिलता है। जयभगवान आंतिल ने कहा कि श्रद्धा भाव से की गई भक्ति कभी विफल नहीं होती है। जयभगवान आंतिल इससे पहले भी फ्री बस सेवा की सुविधा देकर विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन करवा चुके हैं। जयभगवान आंतिल की इस मुहिम की सराहना करते हुए श्रद्धालुओं ने कहा कि निस्वार्थ भाव से किया गया पुण्य एक दिन जरूर सफलता का मार्ग खोलता है।

शीतला माता मंदिर में हुआ विशेष भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

मटिंडू मार्ग पर सावित्री बाई फूले चौक स्थित शीतला माता मंदिर में रविवार को भंडारे का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत हवन यज्ञ के साथ की गई।

इस अवसर पर मीठे पानी की छबील भी लगाई गई। सैनी परिवार समिति की तरफ से तीसरी बार भंडारा लगाया गया है। माता के मंदिर का जीर्णोद्धार करने के बाद अब समिति की तरफ से भंडारे का आयोजन भी किया जाने लगा है। इस बार गंगा दशहरे पर हवन यज्ञ किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने आहुति डाली। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया। जहां प्रसाद ग्रहण करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

ज्येष्ठ दशहरे पर विशाल भंडारा व मीठे पानी की छबील लगाकर पुण्य कमाया

गन्नौर। राजलू गढ़ी गांव में लगे दादे वाले खा सैयद पर लगे भंडारे में प्रसाद लेते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

गन्नौर। जेठ के दशहरे पर गांव राजलू गढ़ी में दादे वाले खा सैयद पर विशाल भंडारा व मीठे पानी की छबील लगाई गई। भंडारे के आयोजक गांव भोगपुर निवासी सुरेंद्र ने बताया कि बाबा की कृपा से दशहरा के उपलक्ष में भंडारे का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि सच्चे दिल से मन्नत मांगने पर दादा वाले का सैयद भक्तों की मुराद पूरी करते हैं। भंडारे में आसपास के गांव के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। वही गांव राजलू गढ़ी में शिव मंदिर के पार्थ राठी व उनके साथियों की टीम ने छबील पर लोगों को मीठे पानी का शरबत पिलाया गया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में लोगों को मीठा पानी पिलाने से पुण्य मिलेगा। इस दिन छबील लगाने का विशेष पुण्य मिलता है।

पिता दिवस पर शेर सिंह पब्लिक स्कूल में ऑनलाइन प्रतियोगिताएं आयोजित

व्यक्ति के जीवन में पिता एक रोल मॉडल होता है : महेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना। पिता दिवस पर बनाए गए पोस्टर दिखाते हुए एक छात्रा। फोटो : हरिभूमि

रविवार को पिता दिवस पर शहर में सोनीपत मार्ग स्थित शेर सिंह पब्लिक स्कूल द्वारा ग्रीटिंग कार्ड, पोस्टर मेकिंग और स्लोगन लेखन की ऑनलाइन प्रतियोगिताएं करवाई गई। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़ चढकर अपनी प्रस्तुति देते हुए जीवन में पिता के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिताओं की अध्यक्षता प्राचार्य जयवीर सिंह रुहिल ने की।

मुख्य वक्ता स्कूल के एमडी महेंद्र सिंह मलिक ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में पिता एक रोल मॉडल होता है। पिता न केवल मित्र बल्कि रक्षक और मार्गदर्शक भी होता है। स्कूल के प्रबंधक कुलदीप देशवाल ने कहा कि जीवन में पिता का कोई मुकाबला नहीं है। पिता अपने कार्यों, शब्दों और बातचीत के माध्यम से अपने बच्चों के मूल्यों, चरित्र विकास, नैतिक संहिता और विश्व दृष्टि को आकार देता है। उन्होंने कहा कि जीवन में माता और पिता की एक जैसी आवश्यकता होती है। इनकी आवश्यकता समझने के लिए किसी एक दिन की आवश्यकता नहीं होती क्योंकि वे हमारा वजूद होते हैं।

सोनीपत। बुजुर्गों के साथ केक काटकर फादर्स डे मनाते हुए प्रधान एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

बेसहारा बुजुर्गों के साथ मनाया फादर्स डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

समाज कल्याण शिक्षा समिति द्वारा चलाए जा रहे वृद्ध आश्रम में रविवार को बेसहारा बुजुर्गों के साथ फादर्स डे मनाया गया। उनके साथ केक काटकर सबको खिलाया गया। इस अवसर पर वृद्ध केयर से सतबीर रमन तनेजा व शुभम शामिल रहे। प्रधान आनंद कुमार ने बताया कि संस्था द्वारा पिछले 35 वर्षों से वृद्धों की सेवा की जा रही है अब तक करीब 470 बुजुर्ग संस्था में सेवा ले चुके हैं। संस्था कोशिश करती है कि बुजुर्गों को किसी प्रकार की कोई कमी महसूस ना हो इसलिए उनके रहने खाने, पीने, दवाई आदि पर ध्यान रखा जाता है। इसके साथ उनके मनोरंजन का भी कार्यक्रम प्रस्तुत करवाए जाते है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

भागवत कथा के श्रवण से बरसती है भगवान की सीधी कृपा : जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत। महाराज का आशीर्वाद लेते हुए भाजपा नेता राजीव जैन। फोटो : हरिभूमि

श्रीमद्भागवत कथा में पहुंचें मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने व्यास गद्दी पर विराजमान अनिल कृष्ण महाराज का आशीर्वाद लेने के बाद कहा कि भागवत कथा में सभी ग्रंथों का सार है इसलिए ध्यान से श्रवण करने वाले श्रद्धालुओं पर भगवान की सीधी कृपा बरसती है। भागवत कथा में पंहुचने पर राजीव जैन का फूल मालाओं से स्वागत किया। राजीव जैन ने कहा कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र से निकला गीता के ज्ञान से पूरी दुनिया के लोग धर्म मार्ग पर चलने की प्रेरणा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो अनमोल मानव जीवन हमें मिला है उसको सार्थक करने के लिए जिस तरह संत कबीर कपड़े बुनते समय और संत रविदास जुती बनाते समय प्रभु का स्मरण करते रहते थे हमें भी हर समय भगवान को याद करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम केवल भगवान एवं महापुरूषों के चित्र की पूजा करते हैं जबकि हमें उनके चरित्र को भी जीवन में धारण करना चाहिए। कार्यक्रम में प्रेम लता, धर्मकौर, सुभाष, सुशील पाराशर, राजेश, राम नारायण, सुरेश प्रधान, सियाराम पंडित, वीरेंद्र आदि उपस्थित रहे।

झरोठी टोल पर सवारियों व कर्मियों में टोल चुकाने को लेकर हुआ झगड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

क्षेत्र के झरोठी टोल पर बीती रात टोल चुकाने को लेकर झगड़ा हो गया। बस में सवारियों व टोल प्रबंधन ने एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं। हुआ यूं कि रात दस बजे के बाद एक प्राइवेट बस हरिद्वार जा रही थी। जिसमें सांपला के पास के गांव गोच्छी के ग्रामीण व आसपास गांव के लोग सवार थे। बस झरोठी टोल प्लाजा पर पहुंची तो टोल टैक्स देने को लेकर संचालकों के साथ झगड़ा हो गया। जिसमें टोल संचालक जितेंद्र सहित कई लोगों को चोट आई है।

दोनों तरफ से मामले की शिकायत पुलिस को दी गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। टोल मैनेजर जितेंद्र का कहना है कि टोल शांतिपूर्वक चल रहा था। रात करीब सवा 10 बजे के एक प्राइवेट बस आई, जिसमें कुछ लोग सवार थे। उन्होंने कहा कि एक महीने पहले उनकी बस का बेवजह फास्ट टैग से पैसा कट गया था इसलिए उन्हें फ्री जाने दिया जाए। टोल मैनेजर ने उनकी बात मानते हुए बस को फ्री जाने दिया।

लेकिन जैसे ही वह बस वहां से आगे बढ़ी तो समूह की दूसरी बसें वहां पहुंच गई और उन बसों को भी फ्री जाने का दबाव बनाया जाने लगा। इस बात को लेकर इमरजेंसी लाइन पर बैठे टोल कर्मचारियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो वे लोग नहीं माने। जिससे उनमें विवाद बढ़ते बढ़ते से झगड़े में बदल गया।

इस बीच कुछ व्यक्ति तो कंट्रोल रूम तक पहुंच गए और मैनेजर जितेंद्र व अन्य कर्मचारियों के साथ मारपीट करने लगे।

बहरहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है। थाना प्रभारी अंकित कुमार का कहना है कि दोनों पक्षों की तरफ से शिकायत आई है। मामले की जांच की जा रही है, जो भी पक्ष दोषी होगा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।